नबुव्वत की बेहतरीन दलील

मौलाना ज़ुल्फिकार अहमद नक्शबंदी (दब)

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

| ताजदारे मदीनाﷺ की नस्बी इफ्फत व असमत

आपने फरमाया की आदम (अलै) से लेकर मेरे बाप-दादा तक नुत्फा हलाल तरीके से एक जगह से दूसरी जगह मुंतकिल होता रहा. आप से लेकर आदम (अलै) तक एक रिश्ता भी ऐसा नहीं जो गलत तरीके से परवरिश पाया हो.

| नबुव्वत की बेहतरीन दलील

अल्लाह तआला के रसूलﷺ को ऐसी ज़िन्दगी मिली की वह लोग जो आपकी जान के दुश्मन थे उन्की ज़बान से भी निकला की हमने आप को झूठ बोलते हुए कभी नहीं देखा लेकिन वही लोग जो आपको सादिक और अमीन कहते थे (मक्का मुकर्रमा के हालात उस वक्त बहुत खराब थे) आपने नबुव्वत का ऐलान फरमाया तो लोगों ने कहा आप अपनी नबुव्वत के बारे में कोई दलील दीजिए.

लिहाज़ा आपने ऐलान फरमाया में इस्से पहले भी

तुम्हारे ही दर्मियान ज़िन्दगी गुज़ार चुका हूं.

अगर मेरी जवानी तुम्हे फूलो से ज़्यादा मासूम नज़र आती है तो मेरी नबुव्वत पर ईमान ले आओ. सुब्हानअल्लाह यह बहुत बडी बात होती है की इंसान अपनी गुज़री ज़िन्दगी और खास तौर पर अपनी जवानी को नमूने के तौर पर पेश करे. किसी को भी उंगली उठाने की हिम्मत नहीं हुई. दुश्मन आपके खिलाफ यूं कहते रहे की आप (माज़अल्लाह) जादूगर है. यह तो कहते रहे की आपने (माज़अल्लाह) यह दावा झूठा किया मगर यह कोई भी न कह सका की आपके किरदार में वह खराबी है. मेरा कायद है वह ज़िन्दगी पैगाम था जिस्का सदाकत जात थी जिसकी अमानत नाम था जिस्का वह रफ्ता-रफ्ता जिसने कौम को मंज़िल अता कर दी.

रसूलुल्लाहﷺ ने जब नबुव्वत का दावा फरमाया तो लोग नहीं जानते थे की यह दीन आइन्दा जल्दी बडा बाग बनने वाला है.

रसूलुल्लाहﷺ ने इर्शाद फरमाया, में अपने बाप इब्राहीम (अलै) की दुआ, ईसा (अलै) की बशारत और अपनी मां आमना का ख्वाब हूं.

हज़रत इब्राहीम (अलै) ने दुआ मांगी थी, हज़रत ईसा (अलै) ने बशारत दी थी और बीबी आमना (रदी) ने ख्वाब देखा था की मेरे बदन से एक नूर निकला जो पूरी दुनिया में फैल गया.

| पत्थरो का आप ﷺ की नबुव्वत की गवाही देना

एक मरतबा आपके पास अबू जहल आया. उस्की मुट्ठी में कंकरियां थी. कहने लगा अगर आप यह बता दें की मेरे हाथ में क्या है तो में मुसलमान हो जाऊंगा. आपने उस्के हाथ की तरफ इशारा किया तो कंकरियो ने कलिमा पढना शुरू कर दिया. मगर अफसोस की उस्का दिल पत्थर से भी ज्यादा सन था. इसलिए वादे से मुकर गया.

एक पत्थर ऐसा था की जब आप उस्के करीब से गुज़रते तो वह आप को देखकर सलाम किया करता था. रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की में उस पत्थर को जानता हूं जो , मुझे नबुव्वत से पहले भी सलाम किया करता था और आज भी मुझे सलाम करता है.

खुतबात जुल्फकार फकीर हिन्दी/2 [१३३ & १३९] मजमून का खुलासा हे